भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1417 #

गुरूवार, 11 दिसंबर, 2025/20 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर प्रदेश में पर्यटन संवर्धन

1417 # श्रीमती दर्शना सिंहः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश, विशेषकर पूर्वांचल क्षेत्र को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन से उपाय किए जा रहे हैं;

(ख) उत्तर प्रदेश, विशेषकर पूर्वांचल क्षेत्र में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए क्या उपक्रम लागू किए गए हैं;

(ग) इस क्षेत्र में एमआईसीई पर्यटन और विवाह पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) उत्तर प्रदेश, विशेषकर पूर्वांचल क्षेत्र में पर्यटन जागरूकता बढ़ाने और गंतव्य स्थलों की खोज में सुधार लाने में नागरिक-सहभागिता मंच किस प्रकार योगदान दे रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से उत्तर प्रदेश सहित देश के पर्यटन स्थलों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है। इस प्रकार के संवर्धन कार्य, कार्यक्रमों के आयोजन और उनमें सहभागिता करके, मेलों और महोत्सवों के आयोजन हेतु राज्य सरकारों को सहायता प्रदान करके, वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंच बनाकर तथा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्रदर्शनियों आदि में भागीदारी के माध्यम से किए जाते हैं ताकि उत्तर प्रदेश सहित देश में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की आमद को बढ़ाया जा सके।

मंत्रालय विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में पर्यटन अवसंरचना के संवर्धन और विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्रों को वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है।

(ग): भारत को एक प्रमुख वैश्विक एम.आई.सी.ई. गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने एम.आई.सी.ई. उद्योग जगत हेतु एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तैयार किया है। इस पहल के हिस्से के रूप में, वर्ष 2021 में, “मीट इन इंडिया” उप-ब्रांड खुजराहो में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत को भव्य सम्मेलनों और प्रदर्शनियों के केंद्र के रूप में बढ़ावा देना, जागरूकता पैदा करना और देश की एम.आई.सी.ई. क्षमता के प्रति एक सकारात्मक वैश्विक धारणा का निर्माण करना है।

पर्यटन मंत्रालय ने भारत का दुनिया भर में एक प्रमुख विवाह गंतव्य के रूप में संवर्धन करने के लिए वर्ष 2023 में "इंडिया सेज़ आई डू" नामक अभियान भी शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य भारत में विवाह के लिए उपलब्ध विविध, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से जीवंत स्थलों को प्रदर्शित करना है, जिसमें भव्य महल और ऐतिहासिक दुर्ग से लेकर आकर्षक समुद्री तट, पहाड़ और नदी के तट शामिल हैं।

(घ): पर्यटन मंत्रालय ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और विविध स्थलों की यात्रा करने में रूचि रखने वाले पर्यटकों और हितधारकों के लिए एक विस्तृत संसाधन के रूप में 'अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म (आईआईडीपी)’ के नए संस्करण की शुरूआत की है।

यह मंच आगंतुकों को संस्कृति, विरासत, साहस, पाक-कला, निरोगता, कला और शिल्प, ग्रामीण आदि सहित देश के पर्यटन आकषर्णों का आभासी अनुभव प्रदान करता है। आईआईडीपी एक एआई-संचालित उपकरण का उपयोग करके मौसम की अद्यतन जानकारी, शहर की जानकारी और आवश्यक यात्रा सेवाएं देकर आगंतुकों को व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने नागरिकों को सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों की पहचान करने के लिए डिजिटल, सोशल मीडिया, समारोह, प्रिंट, आउटडोर, शॉर्ट मेसेज सर्विस (एसएमएस) और व्हाट्सएप अभियान के साथ-साथ MYGov प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न माध्यमों से जोड़ने के लिए देखो अपना देश पीपुल्स चॉइस पोल शुरू किया।

इसके साथ ही, मंत्रालय वेबिनार, क्विज प्रतियोगिता, शपथ और सेमिनार जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों से जुड़ने के लिए MyGov प्लेटफॉर्म के साथ निरंतर सहयोग करता है।

****